पाब्लो नेरुदा

पाब्लो नेरुदा का जन्म दक्षिणी अमरीकी देश चीली के पराल शहर में 12 जुलाई 1904 ई० में हुआ था । नेरुदा का मूल नाम नेफताली रिकार्डो रेयेस बसोआल्टो था, किंतु चेकोस्लोवाकिया के प्रसिद्ध कवि जान नेरुदा की स्मृति में उन्होंने अपना यह नाम लिखना आरंभ किया और इसी नाम से प्रसिद्धि पाई । उन्होंने सांतियागो में चीले विश्वविद्यालय में फ्रेंच और शिक्षाशास्त्र की पढ़ाई की । नेरुदा की ख्याति एक विचारक और लेखक के साथ-साथ राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में भी रही है । 1927 में नेरुदा को कौंसुलर बनाकर बर्मा भेजा गया । आठ वर्षों तक वह सीलोन, जावा, सिंगापुर, ब्यूनस आयर्स, मैड्रिड और बार्सिलोना में काम करते रहे । स्पेन के गृहयुद्ध में रिपब्लिकन्स के पक्ष में उनकी नेतृत्वकारी भूमिका थी । 1950 में पिकासो और पॉल रॉब्सन के साथ उन्हें विश्वशांति पुरस्कार दिया गया । 1973 में उन्हें साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार मिला । 1973 में ही सैनिक प्रतिक्रांति के जरिए अय्येदे सरकार के तख्ता पलट के ठीक बाद उनका देहांत हो गया ।

नेरुदा की प्रमुख काव्य कृतियाँ हैं - 'ट्वेंटी लव पोएम्स एंड ए सांग ऑफ डिस्पेयर', 'रेजिडेंस ऑन अर्थ', 'केंटो जनरल', 'दि कैप्टेंस वर्सेस' और 'फुली एम्पावर्ड' । उनकी आत्मकथा 'मेमॉयर्स' दुनियाभर में पढ़ी गई ।

पाब्लो नेरुदा की कविता जनता के जीवन की अतल गहराइयों से निकली है । उनकी कविता आम लोगों के प्यार और संघर्ष की आशा-निराशा की सघन अभिव्यक्ति है तथा बीसवीं सदी के महान संघर्षों के गर्भ से उपजी है । जनता के जीवन और संघर्षों में भागीदारी उनकी कविता की शक्ति है । वे सच्चे अर्थों में जनता के कवि थे ।

नेरुदा की प्रेम कविताएँ मानवीय गरिमा और अदम्य जिजीविषा की कविता के रूप में पूरे लातिनी अमेरिका से लेकर स्पेन तक प्रशंसित हुई । निकारागुआ के महान कवि रुबेन दारियो और अमेरिकी कवि वॉल्ट व्हिटमन की परंपरा को आगे विस्तार देते हुए नेरुदा ने आधुनिकतावाद और अँवागर्द कविता के एक विशिष्ट लातिनी अमेरिकी संस्करण का निर्माण किया ।

यहाँ प्रस्तुत कविता 'कुछ सवाल' के माध्यम से कवि प्रकृति में होनेवाली दो असमान घटनाओं – विध्वंस और निर्माण को साथ-साथ दिखाते हुए मनुष्य की अदम्य जिजीविषा में विश्वास रखते हैं । उनका पक्का विश्वास है कि अंततः जड़ों को उजाले की ओर ही चढ़ना है तथा बयार का स्वागत अनेक रंगों और फूलों से करना है ।

कुछ सवाल

यदि सारी नदियाँ मीठी हैं
तो समुद्र अपना नमक कहाँ से पाता है ?

ऋतुओं को कैसे मालूम पड़ता है
कि अब पोलके बदलने का वक्त आ गया ?

जाड़े इतने सुस्त-रफ्तार क्यों होते हैं
और दूसरी कटाई की घास इतनी चंचल उड्डीयमान ?

कैसे जानती हैं जड़ें
कि उन्हें उजाले की ओर चढ़ना ही है ?
और फिर बयार का स्वागत
ऐसे रंगों और फूलों से करना ?

क्या हमेशा वही वसंत होता है,
वही किरदार फिर दुहराता हुआ ?

अभ्यास

कविता के साथ

1. समुद्र के खारेपन तथा नदियों के मीठेपन को इंगित कर कवि प्रकृति के किस सत्य से परिचित कराना चाहता है ?
2. कवि अपने सवालों के माध्यम से प्रकृति में होनेवाली दो असमान घटनाओं – विध्वंस और निर्माण को साथ दिखलाता है । पठित कविता से कुछ उदाहरण देकर इसे अपने शब्दों में समझाइए ।
3. इस कविता को पढ़कर आपको क्या संदेश मिला ?
4. कवि ने प्रकृति को शक्ति कहा है - ''ऋतुओं को कैसे मालूम पड़ता है / कि अब पोलके बदलने का वक्त आ गया है ?'' इस पंक्ति में प्रकृति के किस प्रकार के बदलाव को कवि ने प्रकट करना चाहा है ?
5. 'कुछ सवाल' शीर्षक कहाँ तक सार्थक है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए ।
6. क्या वसंत हर व्यक्ति या परिवेश या परिस्थिति के लिए एक जैसा होता है ? तर्क सहित उत्तर दें ।
7. भाव स्पष्ट करें -
   (क) 'कैसे जानती हैं जड़ें
   कि उन्हें उजाले की ओर चढ़ना ही है ?
   (ख) क्या हमेशा वही वसंत होता है,
   वही किरदार फिर दुहराता हुआ ?

कविता के आस-पास

1. पाब्लो नेरुदा की आत्मकथा 'मेमॉयर्स' अपने पुस्तकालय से उपलब्ध कर पढ़ें ।
2. पाब्लो नेरुदा ने अपनी कविता 'कुछ सवाल' में प्रकृति की परिवर्तनशीलता को बताया है । हिंदी के कुछ प्रमुख कवियों की कुछ इसी तरह की कविताओं को अपने शिक्षक के माध्यम से संग्रह कर पढ़ें ।
3. हिंदी के कवि नागार्जुन की तुलना पाब्लो नेरुदा से की जाती है । आप दोनों ही कवियों की कविताएँ अपने पुस्तकालय से उपलब्ध कर पढ़ें और बताएँ कि दोनों कवियों की तुलना क्यों की जाती है ?
4. पाब्लो नेरुदा दक्षिणी अमेरिका के देश चिली के हैं । संसार के मानचित्र में इस देश को चिह्नित करें और चिली तथा दक्षिणी अमेरिका के अन्य कवियों के नाम भी मालूम करें ।

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखें –
   समुद्र, बयार, फूल

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखें –
मीठा, पाना, स्वागत, वसंत, चढ़ना, सवाल

3. वचन बदलें –
नदियाँ, घास, जड़ें

4. निर्देशानुसार उत्तर दें –
(क) जाड़े इतने सुस्त-रफ्तार क्यों होते हैं ? (विशेषण बताएँ)
(ख) और फिर बयार का स्वागत ऐसे रंगों और फूलों से करना है । (अव्यय बताएँ)
(ग) स्वागत का संधि-विच्छेद करें ।
(घ) तो समुद्र अपना नमक कहाँ से पाता है । (कारक बताएँ)

शब्द निधि

पोलके	:	केंचुल, आवरण
उड्डीयमान	:	उड़ता हुआ
बयार	:	हवा
किरदार	:	भूमिका
रफ्तार	:	गति